Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 20 मई, 2022

'G5-साहेल'

19 मई, 2022 को अफ्रीका के लिये संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष राजनीतिक अधिकारी ने माली के 'साहेल क्षेत्रीय आतंकवाद रोधी बल' (G5-Sahel या G5S) से हटने की जानकारी दी। अफ्रीकी संघ के सुझाव और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के समर्थन के बाद 16 फरवरी, 2014 को नौकोचोट, मॉरिटानिया में इस संयुक्त बल का गठन हुआ, जिसे G5-साहेल नाम दिया गया. इसमें शामिल देश हैं- बुर्किना फासो, माली, मॉरिटानिया, नाइज़र और चाड. G5-साहेल का उद्देश्य क्षेत्र में आतंकवादी गुटों से निपिटने हेतु बेहतर समन्वय स्थापित करना और आर्थिक विकास तथा सुरक्षा के लिये सहयोग बढ़ाना है। माली पश्चिमी अफ्रीका के सहारा रेगिस्तान में फैला एक विशाल स्थलाबद्ध देश है। वर्तमान में यह जिहादी हमलों और जातीय हिंसा से जूझ रहा है।

विश्व मधुमक्खी दिवस

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय **20 मई, 2022** को **गुजरात** में विश्व मधुमक्खी दिवस पर वृहत राष्ट्रीय कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है। विश्व मधुमक्खी दिवस के लिये इस वर्ष की थीम है- **"बी एंगेज्ड: सेलब्रिटिंग द डायवर्सिटी ऑफ बीज़ एंड बीकीपिंग सिस्टिम्स।"** इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देकर देश के छोटे किसानों को अधिकाधिक लाभ पहुँचाना है। प्रत्येक वर्ष 20 मई को विश्व भर में विश्व मधुमक्खी दिवस (World Bee Day) के रूप में मनाया जाता है। इस दिवस के आयोजन का उद्देश्य मधुमक्खी और अन्य परागणकों जैसे- तितलियों, चमगादड़ और हमिंग बर्ड आदि के महत्त्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। यह दिवस 18वीं शताब्दी में आधुनिक मधुमक्खी पालन की तकनीक के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य करने वाले **एंटोन जनसा (Antone Jansa)** के जन्मदिन (20 मई, 1734) के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। प्रत्येक वर्ष 20 मई को विश्व मधुमक्खी दिवस के रूप में मनाने के प्रस्ताव को 7 जुलाई, 2017 को **इटली में आयोजित खाद्य एवं कृषि संगठन (Food and Agriculture Organization- FAO) के 40वें सत्र** में स्वीकृत किया गया था। विश्व मधुमक्खी दिवस के अवसर पर मधुमक्खी के तमाम उत्पादों के लाभ, उत्पादन बढ़ाने में मधुमक्खियों की भूमिका और किसानों को खेती के साथ-साथ नए व्यवसाय के अवसर मुहैया कराने की संभावनाओं पर भी चर्चा की जाती है।

अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस

संग्रहालयों के संदर्भ में लोगों में जागरूकता बढ़ाने हेतु प्रत्येक वर्ष 18 मई को अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस (International Museums Day) मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने की शुरुआत वर्ष 1977 में अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय परिषद (International Council of Museums- ICOM) द्वारा की गई थी। ICOM एक सदस्यता संघ और एक गैर-सरकारी संगठन है जो संग्रहालय संबंधी गतिविधियों के लिये पेशेवर एवं नैतिक मानक स्थापित करता है। संग्रहालय क्षेत्र में यह एकमात्र वैश्विक संगठन है। इसकी स्थापना वर्ष 1946 में की गई थी और इसका मुख्यालय पेरिस, फ्राँस में है। यह संग्रहालय पेशेवरों (138 से अधिक देशों में 40,000 से अधिक सदस्य) के एक नेटवर्क के रूप में कार्य करता है। ICOM की रेड लिस्ट (खतरे में रहने वाली सांस्कृतिक वस्तुओं संबंधी), सांस्कृतिक वस्तुओं के अवैध यातायात को रोकने के लिये व्यावहारिक उपकरण है। वर्ष 2022 के लिये इस दिवस की थीम है- **संग्रहालयों की शक्ति**। भारत के उल्लेखनीय संग्रहालय हैं- राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली (संस्कृति मंत्रालय के तहत अधीनस्थ कार्यालय); राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय, नई दिल्ली; सालार जंग संग्रहालय, हैदराबाद; भारतीय संग्रहालय, कोलकाता; भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण साइट संग्रहालय, गोवा; प्राकृतिक इतिहास का राष्ट्रीय संग्रहालय (NMNH), नई दिल्ली।

कांस इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल

हाल ही में कांस इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री और बांग्लादेश के सूचना व प्रसारण मंत्री ने संयुक्त रूप से श्री श्याम बेनेगल द्वारा निर्देशित **भारत-बांग्लादेश सह-निर्मित फीचर फिल्म 'मुजीब- द मेकिंग ऑफ ए नेशन'** का 90 सेकंड का ट्रेलर ज़ारी किया। भारत और बांग्लादेश द्वारा सह-निर्मित यह फिल्म **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल थी**। यह फिल्म **बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान की जन्म शताब्दी पर उपहार** के साथ-साथ **अच्छे पड़ोसी संबंधों** का भी उदाहरण है। **कांस इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, फ्राँस में आयोजित वार्षिक फिल्म समारोह है**, जिसमें दुनिया भर के वृत्तचित्रों सहित सभी शैलियों की नई फिल्मों का पूर्वावलोकन किया जाता है। यह दुनिया का सबसे प्रतिष्ठित और प्रचारित फिल्म समारोह है। यह प्रत्येक वर्ष (आमतौर पर मई में) पालिस डेस फेस्टिवल्स एट डेस कॉन्ग्रेस में आयोजित किया जाता है। इस महोत्सव की बड़े पैमाने पर लोकप्रियता को देखते हुए कई फिल्म हस्तियाँ इसमें शामिल होती हैं, साथ ही फिल्म निर्माताओं हेतु अपनी नई फिल्मों को लॉन्च करने और दुनिया भर से आए वितरकों के समक्ष इन फिल्मों का प्रदर्शन करने के लिये यह एक लोकप्रिय स्थान है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-20-may-2022